आकाशवाणी गोरखपुर
प्रादेशिक समाचार

दिनांक–15 अगस्त 2025 **7:20 AM**

पहले मुख्य समाचार।

- देश भर में धूमधाम से मनाया जा रहा है 78वां स्वतंत्रता दिवस, प्रधानमंत्री ने ध्वजारोहण कर लालकिले की प्राचीर से देश को किया संबोधित, कहा– एक सौ चालीस करोड़ देशवासी संकल्प लेकर वर्ष 2047 तक देश को बना सकते हैं विकसित ।
- राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु ने स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र को किया संबोधित, कहा–दुनियां की पांचवी बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है भारत, जल्द बनेगा तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था ।
- भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी गोविंद मोहन बने केंद्रीय गृह सचिव ।
- कल पूरे प्रदेश में मनाया गया विभाजन विभीषका दिवस ।

****

राष्ट्र आज अठहत्तरवां स्वतंत्रता दिवस मना रहा है। इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस का विषय विकसित भारत 2047 है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अब से थोड़ी देर पहले ऐतिहासिक लाल किले के प्राचीर से राष्ट्रध्वज फहराया और देश को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि अगर एक सौ चालीस करोड़ देशवासी संकल्प लेकर एक दिशा में चल पड़ेंगे तो तमाम चुनौतियों के बावजूद भी हम समृद्ध भारत बना सकते हैं। वर्ष 2047 तक भारत को विकसित बना सकते हैं। उन्होंने आजादी के अनगिनत दीवानों को नमन किया और इस बात जोर दिया कि अगर चालीस करोड़ देशवासी देश को आजादी दिला सकते हैं तो एक सौ चालीस करोड़ देशवासियों के लिए कुछ भी असंभव नहीं है ।

एक सौ चालीस करोड़ देशवासी आज तिरंगे के रंग में रंगे हैं। हर घर तिरंगा है भारत के हर कोने से चाहे रेगिस्तान हो या हिमालय की चोटियां, समुन्द्र के तट हो या घनी आबादी वाले क्षेत्र हर तरफ से एक ही गूंज है एक ही जयकारा है हमारी प्राण से भी प्यारी मातृभूमि का जयगान है।

प्रधानमंत्री ने इस वर्ष और पिछले कुछ वर्षों में आई प्राकृतिक आपदा पर चिंता जताई और कहा कि ऐसी आपदाओं के पीड़ित परिवारों के साथ पूरा देश खड़ा है।

इस बीच, प्रदेश में स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में विधानभवन के सामने आयोजित किया जा रहा है । मुख्यमंत्री ने कल शाम एक बधाई संदेश में कहा कि विकसित भारत के निर्माण के लिए आवश्यक है कि हम सब प्रधानमंत्री के पंचप्रण के संकल्प को अंगीकार करते हुए कार्य करें। आज रात आठ बजे मुख्यमंत्री का संदेश आकाशवाणी से भी प्रसारित किया जाएगा।

स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लखनऊ के थियेटरों में देशभक्ति से जुड़ी फिल्में निःशुल्क दिखाई जा रही हैं। उधर, प्रदेश के अन्य सभी जिलों में प्रमुख सरकारी कार्यालयों और प्रतिष्ठानों पर आज ध्वजारोहण किया गया और विविध कार्यक्रमों के आयोजन किये जा रहे हैं। स्वतंत्रता दिवस को देखते हुए पूरे प्रदेश में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किये गये हैं।

****

राष्ट्रपति ने कहा है कि भारत दुनिया की पांचवी बडी अर्थव्यवस्था बन चुका है और जल्द ही तीसरी बडी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र के नाम संबोधन में उन्होंने कहा कि यह देश के किसानों, श्रमिकों और दूरदर्शी योजनाकारों और उद्योगपतियों के प्रयासों से ही संभव हुआ है।

वर्ष 2021 से वर्ष 2024 के बीच आठ प्रतिशत की औसत वार्षिक वृद्धि दर हासिल करके भारत सबसे तेज गति से बढ़ने वाली और बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। इससे न केवल देशवासियों के हाथों में अधिक पैसा आया है, बल्कि गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों की संख्या में भी भारी कमी आई है।

राष्ट्रपति ने कहा कि सामाजिक न्याय सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने संविधान निर्माता डॉक्टर बी आर आम्बेडकर को उद्ृत करते हुए कहा कि हमें राजनीतिक लोकतंत्र को सामाजिक लोकतंत्र भी बनाना चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा कि सरकार ने अनुसूचित जातियों और जनजातियों और समाज के निचले तबके के लोगों के कल्याण के लिए अनेक कदम उठाए हैं। राष्ट्रपति ने लैंगिक समानता पर बल दिया।

हमारे समाज में महिलाओं को केवल समानता का ही नहीं, बल्कि समानता से भी ऊपर का दर्जा दिया जाता है। जो ये जानकर खुशी होती है कि सरकार ने महिला कल्याण और महिला सशक्तिकरण को समान महत्व दिया है। पिछले दशक में इस उद्देश्य के लिए बजट प्रावधान में तीन गुना से अधिक की वृद्धि हुई है। श्रम बल में उनकी भागीदारी बढ़ी है। इस संदर्भ में जन्म के समय बेटियों के अनुपात में हुई उल्लेखनीय सुधार को सबसे उत्साहजनक विकास कहा जा सकता है।

राष्ट्रपति ने पेरिस ओलिम्पिक खेलों में उत्कृष्ट प्रयासों के लिए भारतीय खिलाडियों की निष्ठा और परिश्रम की सराहना की।

****

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कल राष्ट्रपति भवन में अमृत उद्यान का उद्घाटन किया। आम जनता के लिए इसे शुक्रवार से खोला जाएगा और लोग 15 सितंबर तक अमृत उद्यान का भ्रमण कर सकते हैं। इस उद्यान को देखने के लिए 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर खिलाड़ियों को आमंत्रित किया गया है। इसके अलावा, स्कूलों और विश्वविद्यालयों के शिक्षकों को भी उद्यान देखने के लिए बुलाया गया है। बच्चों को अमृत उद्यान की भावना से जोडने के लिए स्कूली बच्चों को बटन बैज दिये जाएंगे। अमृत उद्यान देखने के लिए टिकट राष्ट्रपति भवन की वेबसाइट से बुक किये जा सकते हैं । यहां आने–जाने वाले लोगों की सहायता के लिए केन्द्रीय सचिवालय मेट्रो स्टेशन से निरूशुल्क शटल बस सेवा उपलब्ध रहेगी।

****

हर घर तिरंगा अभियान के तहत प्रदेश भर में तिरंगा यात्राएं निकाली जा रही है। लोग अपने घरों पर तिरंगा फहरा कर इस अभियान का हिस्सा बन रहे हैं। इसी क्रम में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कल राजभवन के मुख्य भवन पर तिरंगा फहराया और सलामी ली। मथुरा के पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय में तिरंगा यात्रा निकाली गई। कुशीनगर जिले में पुलिस कर्मियों, पीलीभीत में सषस्त्र सीमा बल के जवानों, जौनपुर में जिलाधिकारी की अगुवाई में तिरंगा यात्रा निकाली गई। हरदोई में तिरंगा कार और मोटरसाइकिल रैली में करीब दस हजार लोगों ने हिस्सा लिया। उन्नाव, अमेठी, लखनऊ समेत प्रदेश के सभी जिलों में कल जिला प्रशासन और समाज के अलग अलग वर्गों के जरिये कल भी तिरंगा यात्राओं के आयोजन किये गये। हर घर तिरंगा अभियान देशवासियों में राष्ट्र भक्ति की भावना बढ़ाने के लिए नौ अगस्त को शुरू हुआ था और यह आज शाम तक चलेगा।

****

भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी गोविंद मोहन को कल नया केंद्रीय गृह सचिव नियुक्त किया गया। वह अजय कुमार भल्ला का स्थान लेंगे। 1989 बैच के आईएएस अधिकारी श्री मोहन वर्तमान में संस्कृति मंत्रालय में सचिव हैं। उधर, राहुल नवीन को प्रवर्तन निदेशालय का निदेशक नियुक्त किया गया है। कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने उनके नाम को स्वीकृति दी है। श्री नवीन वर्तमान में प्रवर्तन निदेशालय में विशेष निदेशक के रूप में कार्यरत हैं। उनकी नियुक्ति दो साल के लिए होगी।

****

कल प्रदेश भर में विभाजन विभीषिका दिवस मनाया गया। इस अवसर पर जगह जगह कार्यक्रमों का आयोजन कर विभाजन का दंश झेलने वाले परिवारों को याद करने के साथ ही उन्हें श्रद्धांजलि दी गयी। इसी क्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कल लखनऊ में मौन जुलूस में शामिल हुए और श्रद्धांजलि सभा को संबोधित किया। मौन जुलूस में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य समेत कई अन्य गणमान्य लोग भी शामिल हुए। श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि देश इतिहास के काले अध्यायों का स्मरण कर रहा है। इतिहास केवल अध्ययन का विषय नहीं होता है बल्कि वह गलतियों के परिमार्जन और गौरवशाली क्षणों से प्रेरणा ग्रहण करने का संकल्प होता है।

शताब्दी महोत्सव 1947 में जब भारत की आजादी के 100 वर्ष पूरे हो रहे हैं उस समय एक ऐसा भारत जो विकसित भारत होगा, शक्तिशाली भारत होगा, सशक्त भारत होगा, उस सषक्त भारत के निर्माण के लिये प्रधानमंत्री जी ने आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर जिन पंच प्रणव की बात की। इन पंच प्रणव में से महत्वपूर्ण प्रणव है और वह है नागरिक कर्तव्य। अपने नागरिक कर्तव्यों का पालन करते हुए राष्ट्र प्रथम के भाव के साथ उसे कार्य करना होगा। राष्ट्र प्रथम का ये भाव जब हमारे जीवन का संकल्प बनेगा वो भारत के अंदर भारत को दुनिया की सबसे बड़ी ताकत बनाने में कोई देर नहीं लगने वाली है।

विभाजन की विभीषका दिवस के अवसर पर कल प्रदेश के विभिन्न जिलों में अलग अलग कार्यक्रमों के आयोजन किये गये।

****